## विश्व शांति, विश्व एकता और विश्व रक्षा के लिएस्नेहराज फाउंडेशन

आयोजित करता है

## हैन्दव निर्वचन यात्रा

(दुनिया भर में हर घर तक हिंदू परिभाषा के बारे में जागरूकता लाने का एक वैश्विक मिशन)

**सनातन धर्म या हिंदू धर्म की परिभाषा क्या है?**

"पशु स्वभाव के साथ जन्मे प्रत्येक मनुष्य को उसके व्यक्तित्व के सम्पूर्ण विकास हेतु षोडश संस्कारों, पंच महायज्ञों एवं चतुर्विध पुरुषार्थ के माध्यम से पूर्ण मानव बनाया जाता है और वहाँ से मोक्ष या देवत्व के महान लक्ष्य तक पहुँचाया जाता है, "आत्मनो मोक्षार्थं, जगत हितायच" - अपनी आत्मा के मोक्ष के अतिरिक्त, जगत के हितार्थ कही त्यागों के माध्यम से , साधना, तपस्या, ऋषियों-गुरुओं- एवं कुलदेवताओं की परम्परा से हिन्दुओं ने जो धर्म शास्त्र अर्जित/प्राप्त किया है, उसे सनातन या हिन्दू धर्म कहते हैं।

SCAN & PAY USING ANY BHIM UPI APP

9497146204m@pnb

MERCHANT: SNEHARAJ FOUNDATION

BHIM | UPI

BHARAT INTERFACE FOR MONEY — UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

"स्नेहस्मृति" हिंदू धर्म का अध्ययन (बुनियादी) - (हिंदू की परिभाषा) हिंदी- पीडीएफ ई-बुक प्राप्त करने के लिए,

QR कोड को स्कैन करें और इसकी कीमत रु.143/- का भुगतान करें

फिर UTR के साथ भुगतान स्क्रीन शॉट , अपना 1) नाम 2) ईमेल आईडी 3) जिल्ला और 4) राज्य इन्हे +919497146204 पर व्हाट्सएप करें |

आपको पीडीएफ पुस्तक ई-मेल द्वारा प्राप्त होगी। इसे हमारी वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

## हे हिन्दू जनपद , सृष्टि में सबसे महान्, ये लीजिये आपका पहचान

**स्नेहराज फाउंडेशन**

आयोजित करता है

## हैन्दव निर्वचन यात्रा

www.snefobharathi.com

**Mob. +91 9497146204 <^> e-mail : pro.snefo@gmail.com**

संदेश 2 : **: हिंदू की परिभाषा क्या है ? :**

इसे हल्के से कहें तो

"वह व्यक्ति जो अपने अंदर और सभी में ईश्वर को देखता है, जो भारतीय मिटटी का वारिस है, भारतीय आध्यात्मिक विरासत का वंशज है, उसे हिंदू / हैंदव /सनातनी कहा जाता है"

**अथवा** विस्तार से ...

"जो लोग भारत को धर्म की भूमि, पुण्य की भूमि और पितृ भूमि या मातृ भूमि या आध्यात्मिक मार्गदर्शन की गुरु भूमि मानते हैं, वे जानते हैं कि एक चैतन्य है जो पूरी सृष्टि को नियंत्रित करती है, जिसे इस जीवन में या अगले जीवन में, आध्यात्मिक प्रथाओं (साधना) के माध्यम से या कुल देवता की कृपा से या गुरु की कृपा से, मोक्ष के लिए, वो चैतन्य को अपने ही भीतर साक्षात्कार किया जा सकता है, अर्थात" आत्मानो मोक्षार्थम, जगत हितायच " अपने आत्मा का मोक्ष के साथ , दुनिया के कल्याण के लिए जिस व्यक्ति के पास ज़रूरी ज्ञान, अंदरूनी प्रेरणा और अभ्यास होती है, उसे हिंदू (हिन्दव) / सनातनी कहा जाता है।

हिंदू परिभाषा की इस अवधारणा को वेद, उपनिषद, उपवेद, पुराण, दर्शन, महाकाव्य, आगम, स्मृति, गुरु गीता, वचन और सूत्रों सहित विभिन्न हिंदू धर्मग्रंथों में विस्तार से खोजा गया है, जो इस विषय की समृद्ध और विस्तृत समझ प्रदान करते हैं। चाहे आप किसी भी संप्रदाय या परंपरा से संबंधित हों, यह परिभाषा सभी हिंदुओं पर सार्वभौमिक रूप से लागू होती है। चाहे आप गोत्र, कावु, थेय्यम, मंदिर, याग-होम, योग, वैदिक, तंत्र, हठ, योगी, सिद्ध, ध्यान, शैव, वैष्णव, शाक्तेय, गणपत्य, सौर, कुमार या भूत परंपराओं से जुड़े हों या किसी विशेष जाति, गोत्र या सामाजिक वर्ग से जुड़े हों, यह परिभाषा सभी हिंदुओं को शामिल करती है। ऐसी कई अन्य सनातन चीजों को जानने के लिए, यहाँ एक पुस्तक है । .

**" स्नेहस्मृति " (हिंदू की परिभाषा) हिंदी- पीडीएफ ई-बुक**

हिंदू धर्म के प्रचार में रुचि रखने वालों के लिए बीस से छियानबे लाख रुपये तक कमाने का मौका। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि इस पुस्तक को सिर्फ़ सात लोगों* (*नियम और शर्तें लागू ) से परिचित कराना है ।

**इसके साथ ही, ऋग्वेद (9.63.5) के आदेश "कृण्वन्तो विश्वमार्यम्" के अनुरूप, हिंदू समाज निर्माण अभियान भी चल रहा है। पशुता से मानवता अथवा हिंदू धर्म की ओर यात्रा करते हुए, प्रत्येक व्यक्ति को षोडश संस्कार, उपनयन या दीक्षा संस्कार से होकर गुजरना पड़ता है। विभिन्न परंपराओं में, अपनी-अपनी रीति-रिवाजों के अनुसार इसका पालन किया जाता है। हालाँकि, कई शताब्दियों से, जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग इस संस्कार से दूर रहा है। आत्म-साक्षात्कार - ईश्वर-साक्षात्कार की अवधारणा के साथ, ईश्वर से घनिष्ठ संबंध स्थापित कर, विश्व मानवता, आनंद और ईश्वरीय कृपा का भागी बनने हेतु , अपने पारंपरिक कुल के रीति-रिवाजों और परंपराओं को बनाए रखते हुए , सभी के लिए उपनयन संस्कार या यज्ञोपवीत, तंत्र दीक्षा, योग दीक्षा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जरूरतमंद व्यक्ति +91 9497146204 पर कॉल कर सकते हैं।**

**APPLICATION FORM** - प्रमोटर बनने के लिए पहले पुस्तक खरीदें, फिर यह फॉर्म भरें, फिर व्हाट्सएप करें या अन्य तरीके है की हमारे पोर्टल पर लॉग इन करें और KYC अपडेट करें।

**KYC UPDATION TO BECOME PROMOTER**

| |
|---|
| Address (As per Aadhar) : |
| **Bank & Branch Name :** |
| **Bank A/c.No. :** |
| **IFSC :** |
| **Aadhar No.** |
| **PAN :** |
| **Nominee Name :** |
| **Nominee Aadhar :** |

मैं, एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य, पूर्ण और सही है। मैं समझता हूँ कि किसी भी स्तर पर मेरी जानकारी झूठी या गलत पाए जाने की स्थिति में, मेरी उम्मीदवारी / नियुक्ति बिना किसी सूचना के रद्द / समाप्त की जा सकती है। और मैंने www.snefobharathi.com पर उपलब्ध नियमों और शर्तों को पढ़ा, समझा और स्वीकार किया है और मैं एक प्रमोटर के रूप में आगे बढ़ना चाहता हूँ।

**Place :**

**Date :** **Buyer's Signature**

**संदेश 1**

**आत्मस्वरूप को प्रणाम,**

**क्या आप हिंदू हैं? तो क्या आप हिंदू को परिभाषित कर सकते हैं? क्या आप हिंदू की पहचान बता सकते हैं? माइल पत्थर की कहानी ऐसी ही है। इसे अपना मूल्य नहीं पता? कभी-कभी कुछ लोग इस पर थूकते हैं, कुछ लोग इस पर पेशाब करते हैं। कुछ लोग तो इसकी परवाह भी नहीं करते, लेकिन यह सभी यात्रियों के लिए बहुत उपयोगी उपकरण है। यह एक मूल्यवान उपकरण है जो उनके लक्ष्य की दिशा और दूरी बताता है। यदि इसकी सेवा के लिए थोड़ी सी भी कीमत तय की जाए, तो लोग इसके सामने कतार में लग जाएंगे, भुगतान करेंगे और सेवा प्राप्त करेंगे। हिंदुओं की भी यही दुर्दशा है। उनके बिना मानवता का कोई भविष्य नहीं है। यह बिना लक्ष्य के भटक सकती है। प्रकृति का विनाश जीवन को नरक जैसा बना सकता है। मानव जाति का पूरा भाग्य हिंदुओं के भाग्य से जुड़ा हुआ है। एक बार हिंदू अंधकार में डूब गए, तो दुनिया का कोई भविष्य नहीं है। हिंदू जनपद को भी धरती माता और मानवता को विनाश के कगार से बचाने और एक ऐसा भविष्य सुरक्षित करने के लिए अपने मूल्य को समझने की आवश्यकता है, जहां आने वाली पीढ़ियां शांति और समृद्धि में फलें-फूलें। "हिंदू निर्वचन यात्रा" उस दिशा में एक मूल्यवान कदम है। इस मिशन का उद्देश्य प्रत्येक हिंदू को हिंदू की अवधारणा या पहचान देना या परिभाषित करना है. यहाँ दो संदेश हैं। दूसरे संदेश में "हिंदू परिभाषा" है। इस संदेश को प्राप्त करने के 24 घंटे के भीतर, इसे कागज के एक टुकड़े पर सुंदर ढंग से लिखकर घर में ऐसी जगह चिपका देना चाहिए जहाँ हर कोई इसे देख सके। फिर इन दोनों संदेशों को अपने रिश्तेदारों और दोस्तों सहित सात लोगों को फॉरवर्ड करना चाहिए। कृपया ग्रुप में शेयर न करें। यह महाकुंभ मेले की महान विजय के बाद सबसे बड़ा हिंदू मिशन होने जा रहा है और यह साबित करने की एक और चुनौती है कि हिंदू एक बार जो ठान लेता है, उसे अंतिम विजय तक ले जाता है। आपको कोई खर्च नहीं करना है। क्या करना है, हिंदू परिभाषा को याद कर लें। अपने परिवार के छोटे-बड़े सभी को इसे याद करने दें। फिर इसे सात लोगों के साथ शेयर करें। इसलिए अगर यह संदेश पाने वाला हर व्यक्ति ऐसा करता है, तो हम दस दिनों में 25 करोड़ लोगों को इस हिंदू पहचान से अवगत करा सकते हैं। इससे निस्संदेह आने वाले युग की मानवता के लिए एक शानदार और दिव्य भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा।**

**जय माँ भारती..**

**जय मां वसुंदरा..**

**अधिक जानने के लिए... +91 9497 146 204 पर कॉल करें।**

कुछ बड़े लोग जानवर का, कुछ गुलामी का, कुछ हवस का साम्राज्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। क्यों, हम इंसान हैं! क्या हमें इंसानों के लिए इंसानियत का साम्राज्य बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए? हाँ! धरती पर सच्चे सनातन सुनहरे युग की फिर से स्थापना। बिना सीमा वाले विश्व हिंदू साम्राज्य की जीत हो.....जय माँ भारती... जय माँ वसुंधरा...